नेशनल डीवर्मिंग डे (NDD) स्कूली बच्चों को कृमि मुक्त करने के लिए अकसर पूछे जाने वाले सवाल–जवाब (FAQs) आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा और अध्यापकों के लिए		
क्रमांक	**सवाल**	**जवाब**
1.	कृमि क्या होते हैं?	कृमि परजीवी होते हैं, जो भोजन और जीवित रहने के लिए मनुष्य की आंतों में रहते हैं। कृमि मानव शरीर के जरुरी पोषक तत्वों को खाते हैं, जिससे खून की कमी, कुपोषण तथा वृद्धि में रुकावट होती है।
2.	लोगों को कृमि संक्रमण कैसे हो जाते हैं?	कृमि संक्रमण अस्वच्छता के कारण होते है और इनका संचरण संक्रमित मिट्टी के द्वारा होता है। कृमि संक्रमण संचरण चक्र संलग्नक 1 में दिया गया है। ।
3.	कृमि संक्रमण को फैलने से कैसे रोकें ?	सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाकर कृमि के संक्रमण को फैलने से रोकने के कई तरीके हैं, जिनमें शामिल हैं: • हाथ धोना, खास तौर पर खाना खाने से पहले और शौच जाने के बाद • स्वच्छ शौचालयों का प्रयोग करना • जूते/चप्पल पहनना • शुद्ध व साफ पानी पीना • भोजन को अच्छी तरह पकाना • फलों, सब्जियों व सलाद को सुरक्षित और साफ पानी से धोना • नाखून साफ और छोटे रखे
4.	कृमि संक्रमण से होने वाले हानिकारक प्रभाव क्या हैं? बच्चों को कृमि मुक्त करना क्यों जरूरी है?	कृमि संक्रमण बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा में बाधा डालते हैं। कृमि से खून की कमी तथा कुपोषण हो सकता है, जिसके मानसिक और शारीरिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कुपोषित और खून की कमी वाले बच्चों का अक्सर वज़न कम होता है और विकास में रुकावट आती है। तीव्र संक्रमण के कारण बच्चे अकसर बहुत अधिक बीमार या अधिक थके हुए रहते हैं जिसके कारण वे स्कूल में ध्यान नहीं लगा पाते हैं या बिल्कुल भी स्कूल नहीं जा पाते। जिन बच्चों में कृमि संक्रमण का इलाज किया गया है, उनका: • विकास तेजी से होता है और वह अधिक स्वस्थ होते हैं • अन्य संक्रमणों से बचाव के लिए रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है • सीखने की क्षमता में बढोतरी होती है और स्कूल में अधिक चुस्त रहते है • स्कूल उपस्थिति में बढ़ोतरी करता है
5.	नेशनल डीवर्मिंग डे क्या है?	नेशनल डीवर्मिंग डे पर 1 से 19 वर्ष के आयु के सभी बच्चे (नामांकित और गैर–नामांकित दोनों) सालाना तौर पर सभी स्कूल और आंगनवाड़ी केन्द्रों में कृमि संक्रमण का इलाज प्राप्त कर सकते हैं।
6.	नेशनल डीवर्मिंग डे का आयोजन क्यों किया जाता है जब अन्य कार्यक्रम के	हालांकि कृमि नियंत्रण अन्य कार्यक्रमों का हिस्सा रहा है, जिसमें शामिल हैं साप्ताहिक आयरन और फोलिक एसिड सप्लीमेंटेशन कार्यक्रम (WIFS) लेकिन वर्तमान स्थिति में यह बहुत अस्थिर है और सभी संक्रमण के जोखिम में बच्चों

	द्वारा भी कृमि नियंत्रण होता है?	को इसका इलाज नहीं प्राप्त हो पा रहा है। कृमि नियंत्रण कार्यक्रम पूरे भारतवर्ष में एक ही दिन किया जा रहा हैं ताकि अधिक से अधिक बच्चों को इसका लाभ प्राप्त हो सके।
7.	नेशनल डीवर्मिंग डे कब है?	नेशनल डीवर्मिंग डे सालाना तौर पर 10 फरवरी को घटित किया जा रहा हैं।
8.	अध्यापकों व आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के साथ–साथ, स्वास्थ्य कर्मचारी इलाज क्यों दे रहे हैं?	बच्चे अपने अध्यापकों व आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के साथ सहज होते हैं, और समुदाय व माता–पिता को उन पर काफी विश्वास होता है। अध्यापक व आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आसानी से बुनियादी प्रशिक्षण के साथ बच्चों को कृमि नियंत्रण दवाईयां दे सकते हैं। भारत के कुछ राज्यों में और 30 से अधिक देशों में अध्यापक सफलतापूर्वक बच्चों को कृमि संक्रमण का इलाज दे रहे हैं।
9.	सभी बच्चों को इलाज करने की आवश्यकता क्यों है, जबकी कुछ बच्चे बीमार भी नहीं प्रतीत होते?	हो सकता है कृमि के प्रभाव तुरंत दिखाई न दें, लेकिन वे बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और संपूर्ण विकास को लंबे समय तक नुकसान पहुंचा सकते हैं। बच्चों में कृमि लंबे समय तक रह सकते हैं और उन्हें इसका ज्ञान भी नहीं होता लेकिन हमें यह दिखता है कि वे स्कूल में पढ़ाई अच्छी तरह से नहीं कर पा रहे हैं और उनका विकास नहीं हो रहा है। चूंकि यह दवाईयां सुरक्षित हैं यदि कोई बच्चा संक्रमित है या नहीं, और इसका निदान महंगा है तो बेहतर है की इसका इलाज किया जाए।
10.	कृमि संक्रमण का बच्चों के लिए क्या इलाज है?	एल्बेंडाजोल एक कृमि नियंत्रण दवाई है, जो भारत सरकार द्वारा प्रयोग की जाती है और यह आंत संबंधी कृमि संक्रमण का एक सुरक्षित ईलाज है और पूरे विश्व में प्रयोग की जाती है। 2 से 19 वर्ष की आयु के बच्चों को एक गोली (400 mg) और 1 से 2 वर्ष के बच्चो को आधी गोली (200 mg) की सलाह दी है । बच्चे दवा को चबा कर ही लें बहुत छोटे बच्चे के लिए गोली को तोड़ कर पानी में मिला कर दें ।
11.	क्या कृमि संक्रमण के इलाज के कोई साईड इफेक्ट हैं?	बच्चों में कृमि संक्रमण इलाज के बहुत कम साईड इफेक्ट हैं। कुछ मामूली साईड इफेक्ट हो सकते हैं जैसे चक्कर आना, जी मिचलाना, सिरदर्द, और उल्टी होना, ये सब इसलिए हो सकते हैं क्योंकि कृमि बच्चों के शरीर में से गुजरते हैं। ये साईड इफेक्ट कुछ समय बाद ठीक हो जाते हैं। जिन बच्चों में तीव्र संक्रमण होता है, आम तौर पर उनको ही साईड इफेक्ट होते हैं। यदि साईड इफेक्ट 24 घंटों में ठीक नहीं होते, या बहुत अधिक तीव्र हो जाते हैं, तो शायद बच्चे को कुछ और अनुभव हो रहा है जो की इलाज से सम्बंधित नहीं है तो उस बच्चे को पास के स्वास्थ्य केंद्र में ले जाऐं।
12.	क्या बच्चे के लिए बिना भोजन खाए कृमि नियंत्रण गोली लेना सुरक्षित है?	खाली पेट कृमि नियंत्रण गोली ली जा सकती है।
13.	क्या डीवर्मिंग गोली किसी बीमार बच्चे को दी जानी चाहिए?	यदि कोई बच्चा बीमार है, तो उसे कृमि नियंत्रण गोली न दें। केवल स्वस्थ बच्चे का ही इलाज करना चाहिए। जो बच्चे बीमार है या कोई दवा ले रहे है, उन्हें

		एल्बेंडाजोल दवाई नही दी जाएगी । जब वह बच्चे ठीक हो जाये तब उन्हें एल्बेंडाजोल दवा दी जाए । जिन बच्चो को नेशनल डीवर्मिंग डे पर दवाई नही दी गयी है उन्हें मॉप अप डे को दवाई दे ।
14.	यदि किसी बच्चे को डीवर्मिंग के बाद कोई साईड इफेक्ट /नकारात्मक प्रतिक्रिया होती है तो अध्यापक व आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को क्या करना चाहिए?	प्रशिक्षण के समय दी गई हेल्प लाइन पर सम्पर्क करें फोन करे, जिसका नंबर सेशन आपको दिया जाता है। बच्चे को छाया में लिटाएं और पानी पिलाएं। यदि लक्षण बहुत अधिक तीव्र हों, जो की बच्चे को कुछ और अनुभव हो रहा है जो की इलाज से सम्बंधित नहीं है तो उस बच्चे को पास के स्वास्थ्य केंद्र में ले जाऐं।
15.	यदि बच्चे को गोली देने के बाद गोली अटक जाती है तो क्या करना चाहिए?	1. शांत रहें। 2. बच्चे को छाया वाले व ठंडे स्थान पर ले जाएं और उसे खांसने दें या उसे पानी पिलाएं। (यदि इससे उसे आराम न हो तो स्टेप 3 का अनुसरण करें) 3. उसे थपथपाएं या वायुमार्ग से वस्तु को निकालने के लिए बच्चे की कमर के ऊपर के हिस्से पर हाथ के साथ बैक ब्लो दें या फिर बच्चे को आगे की तरफ झुकाएं और उसकी पीठ को थपथपाएं ताकि गोली बाहर आ जाए। (यदि इससे उसे आराम न हो तो स्टेप 4 का अनुसरण करें) 4. हेल्प लाइन या पास के स्वास्थ्य कर्मचारी को फोन करें

संलग्नक ।

कृमि **संचरण चक्र**[1]

[1] स्कूल जाने की उम्र वाले बच्चों में कृमि नियंत्रण कार्यक्रमों के प्रबंधको के लिए एक गाइड, दूसरा संस्करण WHO(2011)

संलग्नक II

नेशनल डीवर्मिंग डे 2014–15	राज्य
10 फरवरी 2015	राजस्थान
	दिल्ली
	दादर नगर हवेली
	त्रिपुरा
	छत्तीसगढ़
	आसाम
	बिहार
	हरियाणा
	मध्य प्रदेश
	महाराष्ट्र
	कर्नाटका
	तमिलनाडु